हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 63 देहरादून, बुधवार, 24 अगस्त, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

युवाओं को पर्यटन से जुडे क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों से जोड़ेगे : सौरभ बहुगुणा, सेवायोजन मंत्री 3

पहाड़ में उड़ान सुविधाओं को बढ़ाने के लिए उड्डयन मंत्री सिंधिया से मिले सीएम धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भेंट कर राज्य में हवाई कनेक्टीवीटी के संबंध मे विस्तार से चर्चा की

सलीम सैफ़ी की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । मुख्यमंत्री ने कहा कि पिथौरागढ़ में फिक्स विंग कनेक्टीवीटी की आवश्यकता है। वर्तमान में तीन हवाई रूट पिथौरागढ़-पंतनगर, पिथौरागढ़-हिंडन और पिथौरागढ़-देहरादून के लिये एयरलाइन के चयन की प्रक्रिया रीजनल कनेक्टीवीटी स्कीम के तहत गतिमान है। मुख्यमंत्री धामी के अनुरोध पर केंद्रीय मंत्री ने अपने मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दिये कि 30 सितम्बर, 2022 तक इस सम्बन्ध में एयरलाईन्स को नागरिक उड्डयन मंत्रालय के स्तर से कार्यादेश जारी कर दिया जाये ताकि पिथौरागढ़ की कनेक्टिविटी स्थापित हेतु अग्रेतर कार्यवाही हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्ताव दिया गया है कि नैनी सैनी एयरपोर्ट के सामरिक महत्व को देखते हुए इसे 2 बी से 3 सी में अपग्रेड करने और स्वतंत्र प्रबंधन के लिए इसे एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया को हैंडओवर कर दिया जाए। इस विषय पर निर्णय हुआ कि एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया और उत्तराखण्ड सरकार अविलम्ब एम.ओ.यू की सेवा शर्तें तैयार करेंगी ताकि इस सम्बन्ध में शीघ्र निर्णय हो सके।

मुख्यमंत्री द्वारा पवन हंस को रीजनल कनेक्टीवीटी स्कीम के तहत पिथौरागढ़ के लिए हेली सेवा के सुचारू रूप से संचालन और अल्मोडा को हेली सेवा से जोडने के लिए निर्देशित करने का अनुरोध किया गया। इस पर केन्द्रीय मंत्री ने मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दिये कि 26 अगस्त, 2022 से प्रत्येक दिन पवन हंस की हवाई सेवा उपलब्ध करने के सम्बन्ध में नागरिक उड्डयन मंत्रालय स्तर से नियमित सेवा के सम्बन्ध में कार्यवाही की जाये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुमाऊँ की एयर कनेक्टीवीटी को बेहतर बनाने के लिए पंततनगर में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने पंतनगर एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित नये अलाइनमेंट का ओएलएस सर्वे करने का अनुरोध किया। इस सम्बन्ध में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 30 नवम्बर, 2022 तक परियोजना से सम्बन्धित ओएलएस सर्वे के निर्देश नागरिक उड्डयन मंत्रालय को दिये है, इसके साथ ही गौचर एवं चिन्यालीसौड दो छोटे एयरपोर्टो की डीपीआर तैयार करने के निर्देश भी केन्द्रीय मंत्री ने अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री ने देहरादून के साथ-साथ पन्तनगर एयरपोर्ट को भी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट बनाये जाने की अपेक्षा केन्द्रीय मंत्री से की।

इस अवसर पर चेयरमैन एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इण्डिया संजीव कुमार, अपर सचिव नागरिक उड्डयन, भारत सरकार उषा पाडी, सचिव मुख्यमंत्री शैलेश बगोली, सचिव नागरिक उड्डयन दिलीप जावलकर, आदि उपस्थित थे।

मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने अमृत सरोवर योजना की प्रगति की समीक्षा की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अमृत सरोवर योजना के तहत बनाए जा रहे सभी सरोवरों को निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे सम्बन्धित सभी कार्यों की लगातार समीक्षा करते हुए प्रगति पोर्टल और अमृत सरोवर पोर्टल पर अपलोड किया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि इन सरोवरों को आजीविका से जोड़ने के प्रयास किए जाएं, ताकि ये सरोवर लंबे समय तक स्थानीय लोगों की आर्थिकी का श्रोत बनें। उन्होंने फिशरीज से जुड़े सरोवरों के लिए स्थानीय स्तर पर मार्केटिंग और सीड सप्लाई की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरोवरों से निकलने वाली मिट्टी को आसपास के क्षेत्रों में बनने वाली सड़कों के निर्माण में प्रयोग किया जा सकता है।

बैठक के दौरान सचिव वी. वी. आर. सी. पुरुषोत्तम ने बताया गया कि केंद्र द्वारा निर्धारित लक्ष्य के तहत 15 अगस्त तक कुल सरोवरों का 20 प्रतिशत का निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाना था, जिसके सापेक्ष उत्तराखण्ड में 15 अगस्त तक कुल 1606

सरोवरों के सापेक्ष 543 (लगभग 39 प्रतिशत) सरोवरों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया था। बताया गया कि 340 सरोवरों को फिशरीज़ से भी जोड़ा गया है।

इस अवसर पर सचिव श्री आर मीनाक्षी सुंदरम एवं वी. वी. आर. सी. पुरुषोत्तम सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड को मिले 16 IAS अफसर राज्य की सेवा छोड़ने पर केंद्र ने दी अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । उत्तराखंड सरकार को मंगलवार को 16 नए आईएएस अफसर मिल गए। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने इन अफसरों की वर्षवार रिक्तियों के सापेक्ष सूची जारी कर दी है। प्रदेश में पीसीएस अफसरों को अखिल भारतीय सेवा के तहत नियुक्ति की प्रक्रिया 2014 से लटकी हुई थी। पिछले दिनों राज्य सरकार ने इसका प्रस्ताव केंद्र को भेजा था।

केंद्रीय मंत्रालय ने सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद मंगलवार को इन अफसरों की सूची जारी कर दी है। अब इन अफसरों को बैच आवंटन को लेकर राज्य सरकार से प्रस्ताव मांगा गया है। अफसरों की बतौर पीसीएस सेवा अवधि के आधार पर बैच का निर्धारण करीब एक से डेढ़ माह में किया जाएगा।

ये पीसीएस बने आईएएस

योगेंद्र यादव, उदय राज सिंह, देव कृष्ण तिवारी, उमेश नारायण पांडेय, राजेंद्र कुमार, ललित मोहन रयाल, कर्मेन्द्र सिंह, डॉ. आनंद श्रीवास्तव, हरीश चंद्र कांडपाल, संजय कुमार, नवनीत पांडेय, डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट, आलोक कुमार पांडेय, बंशीधर तिवारी, रुचि मोहन रयाल और झरना कमठान।

देवभूमि : स्वर्ग की 7 सीढ़ियों वाली झील सतोपंथ, की रहस्मयी कहानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । भारत के कई ऐसे राज्य है जो विभिन्न प्रकार के रहस्यमयी घटनाओं से भरे पड़े हैं । इनमें से एक भारत के उत्तराखंड राज्य के समीप स्थित एक रहस्यमई गांव है, जहां पर पांडवों ने स्वर्ग जाने का मार्ग चुना। यह घटना बहुत ही रहस्यमयी एवं प्रसिद्ध है। भारत के ऐसे कई सारे राज्य हैं, जहाँ पर बहुत से ऊंची एवं लंबे पहाड़ हैं। उन राज्यो में से एक उत्तराखंड भी है, जिसकी खूबसूरती अद्वितीय है। परंतु उत्तराखंड के बारे में एक अत्यंत रोचक घटना है जिसके पीछे एक राज छिपा हुआ है। यदि आप भी जानना चाहते हैं एक रोमांचक पौराणिक कथा के बारे में तो आइए शुरुआत करते हैं उत्तराखंड के माणा गांव से-

आज हम एक ऐसी रोचक पौराणिक कथा के बारे में आपको बताने वाले हैं, जो केवल एक घटना या कहानी ही नहीं बल्कि सच्चाई भी है। इस घटना के कई साक्ष्य भी मिले हैं जो यह प्रमाणित करते हैं कि उत्तराखंड के पास एक माणा नामक गांव है, जिसके विषय में यह बात काफी प्रसिद्ध है कि वहां से होकर पांडव स्वर्ग की ओर गए थे। इस मार्ग को स्वर्गारोहिनी के नाम से भी जाना जाता है।

इस गांव के बीच में दो पहाड़े थी और बीच में खाई थी, जिसे पार करना सब लोगों के बस की बात नहीं थी। जब इस रास्ते से पांडव स्वर्ग की ओर जा रहे थे तो उन्होंने सरस्वती नदी से आगे जाने का रास्ता मांगा लेकिन उन्होंने इंकार कर दिया। भीम ने दो बड़े चट्टानों के टुकड़ों को उठाकर यहां पर एक पुल का ही निर्माण कर दिया। बता दें कि इसी पुल से होकर पांडव स्वर्ग की ओर गए थे। इसलिए आज भी इसे "स्वर्ग का मार्ग" कहा जाता हैं।

उत्तराखंड की धरती पर तमाम ऐसी जगहें हैं, जिनका इतिहास हमारे धार्मिक ग्रंथों से जुड़ा है। ऐसी ही एक बेहद खास जगह है सतोपंथ झील ..... सतोपंथ यानी कि सत्य का रास्ता। मान्यता है कि महाभारत काल में पांडव इसी रास्ते से स्वर्ग की ओर गए थे। यही वजह है कि इस झील का नाम सतोपंथ पड़ गया। इसके अलावा यह भी बताया जाता है कि जब पांडव स्वर्ग की ओर जा रहे थे और एक-एक करके उनकी मृत्यु हो रही थी तो इसी स्थान पर भीम की मृत्यु हुई थी। इसलिए भी इस जगह का महत्व माना गया है।

अभी तक आपने गोल या फिर लंबाई के आकार वाली झील देखी होगी। लेकिन सतोपंथ झील का आकार तिकोना है। मान्यता है कि यहां पर एकादशी के पावन अवसर पर त्रिदेवों ब्रह्मा, विष्णु और महेश ने अलग-अलग कोनों पर खड़े होकर डुबकी लगाई थी। इसलिए इसका आकार त्रिभुजाकार यानी कि तिकोना है। झील के आकार की ही तरह इसके अस्तित्व को लेकर भी कई मान्यताएं हैं। इनमें से एक यह है कि सतोपंथ में जब तक स्वच्छता रहेगी तब तक ही इसका पुण्य प्रभाव रहेगा। यही वजह है कि झील के रखरखाव का खास ख्याल रखा जाता है।

सतोपंथ झील से कुछ दूर आगे चलने पर स्वर्गारोहिणी ग्लेशियर नजर आता है। जिसे स्वर्ग जाने का रास्ता भी कहा जाता है। कहा जाता है कि इस ग्लेशियर पर ही सात सीढ़ियां हैं जो कि स्वर्ग जाने का रास्ता हैं। हालांकि इस ग्लेशियर पर अमूमन तीन सीढ़ियां ही नजर आती हैं। बाकी बर्फ और कोहरे की चादर से ढकी रहती हैं।

स्ट्रीट फूड के शौकीनों के लिए काम की खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । देहरादून एक ऐसी जगह है जो अपने मौसम के लिए जानी जाती है। यात्रा के साथ-साथ देहरादून में खाने के लिए बहुत कुछ है। राजपुर रोड की मैगी, चाट गली की चाट, जैना के समोसे, गेलॉर्ड की आइसक्रीम, चेतन की आलू पुरी... और भी कई ऐसी डिश हैं जिनके बारे में सुनकर आप बोर हो जाएंगे. अब बर्गर दिल्ली और मुंबई जैसी जगहों पर बहुत मशहूर है, लेकिन बन टिक्की आपको देहरादून में ही मिल जाएगी। ये है दून की खासियत, जिसे लोग खूब पसंद करते हैं. बन में आलू टिक्की को हरी, लाल चटनी और प्याज के छल्ले से सजाया जाता है और गरमागरम परोसा जाता है।

अगर आप देहरादून घूमने आ रहे हैं तो आपको बन टिक्की के साथ-साथ अन्य फूड जॉइंट्स के लिए इन मशहूर जगहों पर भी जाना चाहिए। आज इस लेख में हम आपके साथ कुछ ऐसे फूड जॉइंट्स शेयर करने जा रहे हैं, जहां आपको बेहतरीन बन टिक्की मिलती है। तो आइए बिना देर किए जानते हैं उन जगहों के बारे में।

घंटाघर से आगे तहसील मार्केट है और यहां स्थित एक गली में सबसे अच्छी बन टिक्की मिलती है। बन टिक्की का यह स्टॉल इतना मशहूर है कि लोग किसी भी काम के लिए बाजार आते हैं, बिना खाए नहीं जाते। यहां भारी भीड़ होती है और उनकी खासियत बन टिक्की और टिक्की चाट है जो आपको महज 25 रुपये में मिल जाती है। शाम के 4 बजे जैसे ही दुकान खुलती है, बन टिक्की खाने वालों की भीड़ जमा हो जाती है। सबसे अच्छी बात यह है कि इनकी इमली और हरी चटनी बिल्कुल ताजी होती है। अगर आप तहसील की ओर जाते हैं तो रामा मार्केट के पीछे स्थित इस स्टॉल पर जरूर जाएं।

अगर आपको सर्वे चौक का नाम याद नहीं है तो बॉबी स्टॉल को याद कर लीजिए। यह दो भाइयों की दुकान है जो पिछले कई सालों से सर्वे चौक के पास फास्ट फूड ज्वाइंट चलाते हैं। बॉबी के नाम से मशहूर उनके एक स्टॉल में सिर्फ नॉन-वेज और दूसरे में चाउमीन, बन टिक्की, मोमोज और सूप मिलता है। यहां बन टिक्की की कीमत 30 रुपये है और इसके अलावा आप अन्य चीजों का भी लुत्फ उठा सकते हैं. अगर आपको नॉन वेज खाना पसंद है तो आप उनके फिश पकौड़े भी जरूर ट्राई करें।

ऐसा नहीं है कि देहरादून में बर्गर नहीं मिलते, लेकिन हम लोगों को बन टिक्की का अलग ही शौक है। यहां आपको हर कोने पर बन टिक्की का स्टॉल दिखाई देगा। अब आप कभी भी ईसी रोड स्थित द्वारका स्टोर की ओर जाएंगे तो आपको वहां बन टिक्की वाला नाम का स्टॉल जरूर मिलेगा। हरी चटनी और प्याज़ के साथ कुरकुरी टिक्की के साथ परोसने वाली इन बन टिक्की को खाकर आप भी उनके दीवाने हो जाएंगे. यहां छात्रों की भारी भीड़ होती है और बन टिक्की की कीमत मात्र 20 रुपये है।

युवाओं को पर्यटन से जुडे क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों से जोड़ेगे : सौरभ बहुगुणा, सेवायोजन मंत्री

उत्तराखण्ड कौशल विकास समिति एवं होटल एसोसिएशन के बीच एम0ओ0यू0

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त। उत्तराखंड सरकार में कौशल विकास एवं सेवायोजन मंत्री सौरभ बहुगुणा की अध्यक्षता में कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग की बैठक हुई। युवा कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा का इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य फोकस था प्रदेश में पर्यटन की आपार सम्भावनाओं को देखते हुए युवाओं को अलग अलग सेक्टरों में कौशल प्रदान कर अधिक से अधिक संख्या में रोजगार एवं स्वरोजगार प्रदान कर स्वावलम्बी बनाया जाय।

अपने इसी उद्देश्य और मिशन को सामने रखते हुए विभाग ने कौशल एवं सेवायोजन विभाग एवं होटल एण्ड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ उत्तराँचल के मध्य एक एँम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किया गया। एम०ओ०यू० के माध्यम से दोनो संस्थायें आपस में समन्वय स्थापित कर राज्य के युवाओं को टूरिज्म एण्ड हॉस्पिटिलिटी सेक्टर में प्रशिक्षित कर रोजगारों के अवसरों से जोड़ेंगें। जहाँ उत्तराखण्ड कौशल विकास मिशन राज्य के युवाओं को चयनित कर उसकी सूची होटल एसोसिएशन को प्रदान करेगी वहीं होटल एसोसिएशन अपनी एसोसिएशन के मेम्बरों के परिसर में इन चयनित युवाओं को तीन से चार माह की ऑन जॉब ट्रेनिंग प्रदान कर अगले छः माह तक उन्हें अपने मेम्बरों की इकाईयों के अन्तर्गत रोजगार प्रदान करना सुनिश्चित करेगी। ओ०जी०टी० की अवधि के दौरान एसोसिएशन द्वारा इन्डस्ट्री के मापदण्डों के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें प्रशिक्षुओं को स्टाइपन्ड प्रदान करेंगे।

इस बीच प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरन्तर प्रयास किये जाएगें। कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत राज्य के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है,जिससे पर्यटन से जुडे क्षेत्रों यथा- हाउसकीपिंग, फन्ट ऑफिस, मल्टी कूजिंग कुक आदि में प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इन युवाओं को प्रशिक्षण के साथ ही पर्यटन से जुडे अधिष्ठानों में वास्तविक प्रशिक्षण का अनुभव न होने के कारण इच्छानुसार रोजगार के अवसर प्रदान नही होते। प्रशिक्षण एवं वास्तविक अधिष्ठान कार्य अनुभव के इसी अन्तर को पूर्ण करने के उद्देश्य से मंत्री सौरभ बहुगुणा के विजन को साकार करने के लिए उत्तराखण्ड कौशल विकास समिति एवं होटल एसोसिएशन के बीच यह एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किया गया है।

इस एम0ओ0यू0 का मुख्य उद्देश्य युवाओं को ओ०जी०टी० के माध्यम से अधिष्ठानों का कार्य अनुभव प्रदान किया जाना है। इस अवधि के उपरान्त प्रशिक्षु की कार्यकुशलता के आधार पर नियोजक द्वारा अग्रिम अवधि के लिए कार्य पर लिए जाने या न लिए जाने के सम्बन्ध में निर्णय लिया जायेगा। यह एम0ओ0यू0 एक पहल है राज्य के युवाओं को स्थानीय स्तर पर पर्यटन से जुडे क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों से जोड़े जाने की। यह योजना प्रदेश के समस्त जनपदों में संचालित की जायेगी इस पहल से राज्य के युवाओं को निश्चित रुप से लाभ होगा। विभाग द्वारा भविष्य में होटल एसोसिएशन की मांग के अनुसार राज्य के युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु सहमति व्यक्त की गयी।इस अवसर पर सचिव, कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन के साथ ही अध्यक्ष, होटल एसोसिएशन संदीप सैनी द्वारा भी एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर किये गये साथ ही निदेशक, प्रशिक्षण/परियोजना निदेशक, कौशल विकास मिशन विनोद गिरी गोस्वामी, नोडल अधिकारी, कौशल विकास मिशन चन्द्रकांता, पंकज कुमार, उप निदेशक, यू0के0डब्ल्यू0डी0पी0 एवं होटल एसोसिएशन से शैलेन्द्र कर्णवाल, आशुतोष शर्मा, प्रतीत कर्णवाल, आशीष गोयल, संजय अग्रवाल, प्रणव गिलहोत्रा एवं मनु कोचर आदि उपस्थित रहे।

निर्धारित मानकों के अनुरूप हो अग्निवीर भर्ती युवा निराश न हों : सतपाल महाराज

केंद्रीय मंत्रियों को चिट्ठी लिखकर कार्यवाही की मांग

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सतपाल महाराज
मंत्री
SATPAL MAHARAJ
Minister

पत्रांक-2794/ मंत्री/ वखा /2022
दिनांक 23 अगस्त, 2022

माननीय श्री राजनाथ सिंह जी,

जैसा कि आप स्वयं भी अवगत है कि भारत सरकार की "अग्निवीर भर्ती योजना" के अंतर्गत उत्तराखण्ड राज्य के कोटद्वार में दिनांक 19 अगस्त, 2022 से 31 अगस्त, 2022 तक बी0आर0ओ0 लैन्सडाउन में अग्निवीरों की भर्ती प्रक्रिया गतिमान है। अनेक युवाओं द्वारा मुझे भेजी गयी वीडियो क्लिपिंग के माध्यम से विदित हुआ है कि कोटद्वार में चल रही अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया मानकों का समुचित अनुपालन नहीं हो रहा है जैसे पूर्व में 1600 मीटर दौड़ के लिए 5.40 सेकण्ड का समय निर्धारित था, लेकिन अब 5 मिनट में ही दौड़ समाप्त की जा रही है। इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र के युवाओं के लिए 163 सेमी की जगह 170 सेमी लम्बाई में चयन हो रहा है जबकि राज्य में पर्वतीय क्षेत्र के युवाओं के लिए 163 सेमी लम्बाई का मानक है। पूर्व थल सेना अध्यक्ष जनरल विपिन रावत ने उत्तराखण्ड पर्वतीय राज्य के लिए भर्ती में युवाओं के लिए छूट का प्रावधान किया था। इस तरह की भर्ती प्रकिया में हो रही विसंगतियों से उत्तराखण्ड के युवा निराश हो रहे है तथा भारत सरकार की अग्निवीर भर्ती योजना का समुचित लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

अतः मेरा आपसे विनम्र आग्रह है कि उपरोक्त तथ्यों के दृष्टिगत ...

मंत्री
SATPAL MAHARAJ
Minister

पत्रांक-2797/ मंत्री/ 51-वखा /2022
दिनांक- 23 अगस्त, 2022

माननीय श्री भट्ट जी,

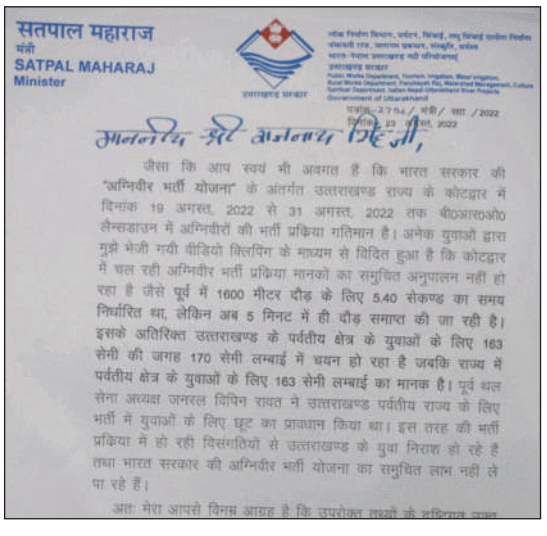

जैसा कि आप स्वयं भी अवगत है कि भारत सरकार की "अग्निवीर भर्ती योजना" के अंतर्गत उत्तराखण्ड राज्य के कोटद्वार में दिनांक 19 अगस्त, 2022 से 31 अगस्त, 2022 तक बी0आर0ओ0 लैन्सडाउन में अग्निवीरों की भर्ती प्रक्रिया गतिमान है। अनेक युवाओं द्वारा मुझे भेजी गयी वीडियो क्लिपिंग के माध्यम से विदित हुआ है कि कोटद्वार में चल रही अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया मानकों का समुचित अनुपालन नहीं हो रहा है जैसे पूर्व में 1600 मीटर दौड़ के लिए 5.40 सेकण्ड का समय निर्धारित था, लेकिन अब 5 मिनट में ही दौड़ समाप्त की जा रही है। इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र के युवाओं के लिए 163 सेमी की जगह 170 सेमी लम्बाई में चयन हो रहा है जबकि राज्य में पर्वतीय क्षेत्र के युवाओं के लिए 163 सेमी लम्बाई का मानक है। पूर्व थल सेना अध्यक्ष जनरल विपिन रावत ने उत्तराखण्ड पर्वतीय राज्य के लिए भर्ती में युवाओं के लिए छूट का प्रावधान किया था। इस तरह की भर्ती प्रकिया में हो रही विसंगतियों से उत्तराखण्ड के युवा निराश हो रहे हैं तथा भारत सरकार की अग्निवीर भर्ती योजना का समुचित लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

अतः मेरा आपसे विनम्र आग्रह है कि उपरोक्त तथ्यों के दृष्टिगत उक्त ...

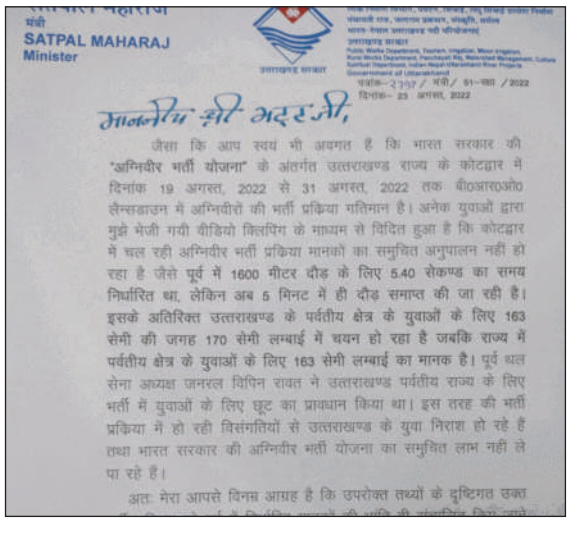

देहरादून, 23 अगस्त प्रदेश के पर्यटन, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, लोक निर्माण, सिंचाई, जलागम धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कोटद्वार में चल रहे अग्निवीर भर्ती में प्रदेश के युवाओं को हो रही व्यावहारिक कठिनाइयों को देखते हुए भर्ती प्रक्रिया को पूर्व में निर्धारित मानकों की भांति संचालित करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट को पत्र लिखा है।

कोटद्वार में चल रहे अग्निवीर भर्ती में प्रदेश के युवाओं को हो रही व्यावहारिक कठिनाइयों और निर्धारित मानकों की अनदेखी को देखते हुए प्रदेश के पर्यटन, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, लोक निर्माण, सिंचाई, जलागम धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट को पत्र लिखकर भर्ती प्रक्रिया को पूर्व में निर्धारित मानकों के अनुसार संचालित करने का अनुरोध किया है।

कैबिनेट मंत्री महाराज ने रक्षा मंत्री एवं रक्षा राज्य मंत्री को पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि भारत सरकार की ₹अग्निवीर भर्ती योजना₹ के तहत कोटद्वार में 19 अगस्त से 31 अगस्त 2022 तक बी.आर.ओ. लैन्सडाउन के द्वारा अग्निवीरों की भर्ती की जा रही है। इस दौरान उन्हें युवाओं द्वारा भेजी गई कुछ वीडियो क्लिपिंग से पता चला है कि भर्ती के दौरान राज्य के 300 युवाओं को एक साथ दौडाय़ा जा रहा है और उसमें से भी मात्र 8 या 10 युवाओं को ही चुना जा रहा है। जबकि शारीरिक में पूर्व में औसतन 300 में से 60 का चयन किया जाता था।

उन्होने पत्र के माध्यम से रक्षा मंत्री और रक्षा राज्य मंत्री को बताया कि भर्ती होने वाले युवाओं का कहना है कि भर्ती के दौरान मानकों की अनदेखी की जा रही है। मुझे बताया गया कि दौड़ का समय 1600 मीटर के लिये 5:40 सेकन्ड है लेकिन वह सिर्फ 5 मिनट में ही दौड़ को समाप्त कर दे रहे हैं। उतराखण्ड के जवानों के लिए 163 सेन्टीमीटर लम्बाई है जो कि स्वर्गीय पूर्व थलसेना अध्यक्ष जनरल विपिन रावत ने उतराखण्ड के लिए करवाई थी। लेकिन भर्ती होने आये युवाओं की हाइट अब 170 सेन्टीमीटर ले रहें हैं।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट से कहा है कि भर्ती प्रक्रिया में हो रही विसंगतियों से उत्तराखंड के युवा निराश हो रहे हैं तथा उन्हें भारत सरकार की अग्निवीर भर्ती योजना का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसलिए इन तमाम तथ्यों के दृष्टिगत भर्ती प्रक्रिया को पूर्व में निर्धारित मानकों की भाँति ही संचालित किया जाए।

प्रबंधन की बारीकियां सीखेंगे सीएमओ : डॉ0 धन सिंह रावत

आईआईएम काशीपुर में दिया जायेगा तीन दिवसीय प्रशिक्षण

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । सूबे के मुख्य चिकित्साधिकारियों को शीघ्र आईआईएम काशीपुर में तीन दिवसीय प्रबंधन संबंधी विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा, इसके लिये विभाग के उच्चाधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं। जनपद स्तर पर एनएचएम की तमाम योजनाओं में आवंटित धनराशि समय पर खर्च न होने पर संबंधित जनपद में तैनात डीपीएम (जिला परियोजना अधिकारी) के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जायेगी तथा मुख्य चिकित्साधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि दी जायेगी। राज्यभर में तैनात सभी आशा कार्यकत्रियों को स्मार्ट फोन खरीदने के लिये डीबीटी के माध्यम से धनराशि जारी की जायेगी। एनएचएम की योजनाओं की जनपदवार समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने कई जनपदों के लचर प्रदर्शन पर नाराजगी जताते हुये भविष्य में अपने कार्यों में लापरवाही बरतने पर मुख्य चिकित्साधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने स्वास्थ्य महानिदेशालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न परियोजनाओं की गढ़वाल मंडल की समीक्षा बैठक ली। जिसमें सभी मुख्य चिकित्साधिकारी एवं जिला परियोजना अधिकारी को आपस में समंजस्य के साथ परियोजनाओं का क्रियान्वयन करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि एनएचएम के तहत संचालित अनेक केन्द्र पोषित योजनाओं के क्रियान्वयन में कई जनपदों की प्रगति चिंताजनक है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि ऐसे अधिकारियों के खिलाफ भविष्य में सख्त कार्रवाई की जायेगी तथा शीघ्र ही मुख्य चिकित्साधिकारियों को आईआईएम काशीपुर में प्रबंधन का तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा।

विभागीय मंत्री ने एनएचएम के तहत विभिन्न जनपदों में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने को कहा। एनसीडी स्क्रीनिंग डाटा की प्रगति रिपोर्ट पर नाराजगी व्यक्त करते हुये डॉ0 रावत ने सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को टारगेट पूरा न करने वाले सीएचओएस के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिये। डॉ0 रावत ने ई-संजीवनी एवं टेली कांसल्टेशन में जनपद देहरादून, पौड़ी, उत्तरकाशी एवं हरिद्वार का कमजोर प्रदर्शन पर मुख्य चिकित्साधिकारियों का जबाव तलब किया, उन्होंने जनपद स्तर पर ई-संजीवनी एवं टेली कांसल्टेशन सेवा को मजबूत करने के लिये संबंधित जनपदों के सीएमओ को दो-दो चिकित्सक तैनात करने के निर्देश दिये। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का टारगेट पूरा न कर पाने पर भी सीएमओ एवं डीपीएम को जमकर लताड़ लगाई। जच्चा-बच्चा टीकाकारण अभियान में भी तेजी लाने के निदेश दिये गये।

राज्य में हेल्थ एवं वेलनेस सेंटरों के निर्माण में हो रही देरी पर विभागीय मंत्री ने एनएचएम एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। बैठक में टीबी मुक्त उत्तराखंड, बच्चों का टीकाकरण, शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर, संस्थागत प्रसव व तम्बाकी मुक्त उत्तराखंड, मोतिया बिंद की जॉच एंव उपचार सहित विभिन्न केन्द्र पोषित योजनाओं की समीक्षा कर तय समय में टारगेट पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

बैठक में मिशन निदेशक एनएचएम डॉ0 आर0 राजेश कुमार, निदेशक हेल्थ सर्विसेज डॉ0 विनीता शाह, निदेशक गढ़वाल मंडल डॉ0 भारती राणा, निदेशक एनएचएम डॉ0 सरोज नैथानी, संयुक्त निदेशक डॉ0 आर0 पी0 खंडूडी, सीएमओ हरिद्वार डॉ0 कुमार खगेन्द्र, सीएमओ टिहरी डॉ0 संजय जैन, सीएमओ देहरादून डॉ0 मनोज उप्रेती, सीएमओ चमोली डॉ0 राजीव शर्मा, सीएमओ पौड़ी डॉ0 प्रवीन कुमार, सीएमओ उत्तरकाशी डॉ0 के0एस0 चौहान, एसीएमओ रूद्रप्रयाग डॉ0 आशुतोष, गढ़वाल मंडल के सभी सात जनपदों के डीपीएम एवं एनएचएम के राज्य स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मैक्स अस्पताल ने यूस्टेशियन ट्यूब बैलून डाइलेशन प्रक्रिया से पहला सफल ऑपरेशन किया

उत्तराखंड में पहली बार हुई ये प्रक्रिया

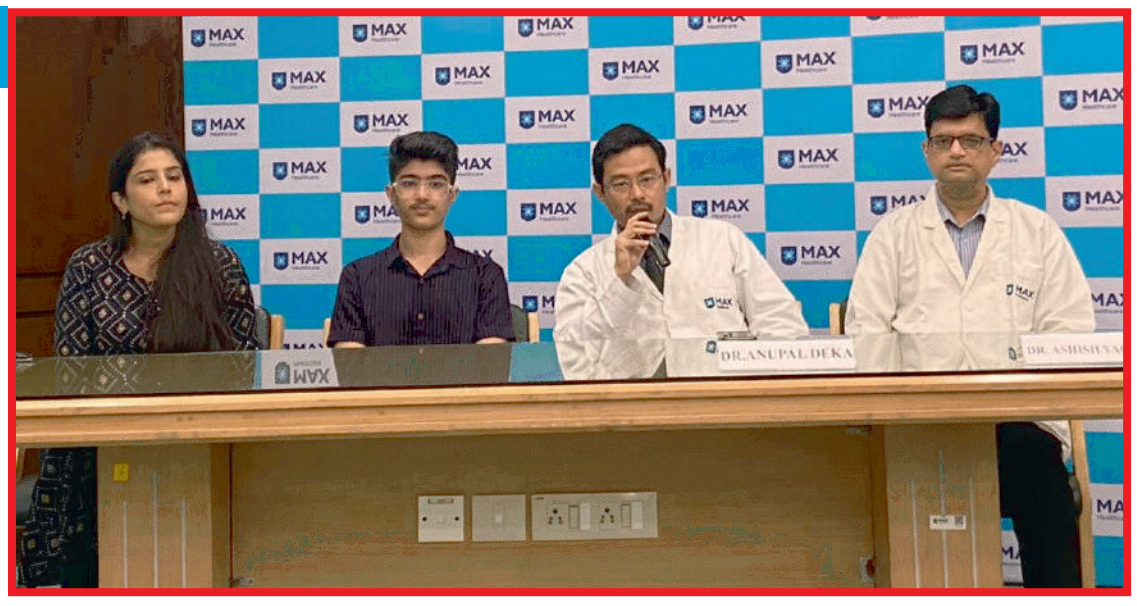

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । मैक्स अस्पताल, देहरादून के डॉक्टरों ने 13 वर्षीय लड़के में एकदम नयी प्रक्रिया से सुनने की क्षमता को नॉन सर्जिकली पुनर्स्थापित किया। .

मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, देहरादून उत्तराखंड का पहला अस्पताल है जिसने यूस्टेशियन ट्यूब बैलून डिलेशन विधि का इस्तेमाल किया । यूस्टेशियन ट्यूब डिसफंक्शन के इलाज की यह हालिया तकनीक यूरोपीय देशों में लोकप्रियता हासिल कर रही है। यह यूस्टेशियन ट्यूब मध्य कान से नासॉफिरिन्जियल क्षेत्र तक होती है और मध्य कान में एयर प्रेशर बनाए रखने में मदद करती है।

13 वर्षीय इविन को दाहिने कान में दर्द और सुनने में परेशानी की शिकायत के साथ मैक्स अस्पताल, देहरादून में पिछले महीने लाया गया। क्लीनिकल जांच के बाद पता चला कि दाहिने मध्य कान की ट्यूब में तरल पदार्थ मिला, जिससे यूस्टाचैन ट्यूब में रुकावट आ रही थी और सुनने में परेशानी हो रही थी।

इस लड़के को कुछ साल पहले भी यही समस्या हुई थी और इसके इलाज के लिए एक ग्रोमेट का इस्तेमाल किया गया था जो कि इस समस्या का एक अस्थायी समाधान है।

डॉ अनुपल डेका, सीनियर कंसल्टेंट- ईएनटी विभाग, मैक्स हॉस्पिटल, देहरादून ने बताया ₹ यह रुकावट की समस्या बच्चों में आम है जो कि संक्रमण या जन्मजात मुद्दों सहित कई कारणों से हो सकता है। इस प्रक्रिया में एंडोस्कोप का उपयोग करके बैलून डिलेशन नाक के माध्यम से नाक ट्यूब के पिछले हिस्से में डाली जाती है जहां यूस्टेशियन ट्यूब स्थित होती है। इस प्रक्रिया में नासोफरीनक्स के माध्यम से यूस्टेशियन ट्यूब में एक इन्फ्लेटेबल कैथेटर को डाला जाता है। । इस दबाव पर दो मिनट के लिए बैलून को फुलाया जाता है। फिर, बैलून को डिफ्लेट किया जाता है और कैथेटर को हटा दिया जाता है।

इसके बारे में आगे बताते हुए , डॉ डेका ने कहाः ₹उत्तराखंड में उन्नत ईएनटी उपचार और मानकों को लाने की हमारी निरंतर खोज ने, हमने हाल ही में अपने अत्याधुनिक ईएनटी विभाग में सर्जिकल प्रक्रिया की पेशकश शुरू की है।₹

डॉ संदीप तंवर, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट - ऑपरेशन्स एंड यूनिट हेड, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल देहरादून ने कहाः ₹हम मरीजों को सर्वश्रेष्ठ उपचार और सेवाएं पेश करने में अग्रणी रहे हैं। अस्पताल ने पूर्व में कई उपलब्धियां हासिल की हैं और मरीजों की बेहतर देखभाल करने के लिए प्रयास हमारे जारी है।

हाई ब्लड प्रेशर होने पर तुरंत अपनाएं ये घरेलू उपाय

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

न्यूज़ वायरस आपकी सेहत से जुडी खबरे आप तक लेकर आता है। सेहत है तो सब कुछ है इसीलिए इस बार हम बात करने जा रहे हैं बीपी की .. जी हाँ आजकल हाई ब्लड प्रेशर की समस्या आम हो गई है। सिर्फ ज़्यादा उम्र के लोग ही नहीं बल्कि आजकल कम उम्र में भी हाई ब्लड प्रेशर की समस्या देखी जा रही है। दरअसल जब शरीर की धमनियों में जो रक्त बहता है उसका दबाव बढ़ जाता है तो हाई ब्लड प्रेशर हो जाता है। सिर्फ यही कारण नहीं है बल्कि जब आपके खाने-पीने में संतुलित आहार की मात्रा कम हो जाती है और शरीर में फैट की मात्रा बढ़ जाती है तो हाई बीपी होने के आसार भी बढ़ जाते हैं। इसके अलावा उन लोगों को भी हाई बीपी हो जाता है जो कोई भी फिजिकल एक्टिविटी नहीं करते हैं, या एक जगह ज़्यादा देर तक बैठे रहते हैं। इस बीमारी से निजात पाना बेहद जरुरी है क्योंकि अगर हाई ब्लड प्रेशर पर कंट्रोल नहीं किया गया तो ये हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक जैसी बड़ी गंभीर बीमारियों का कारण बनती है।

डॉक्टर्स हों या घर के बुजुर्ग वो आपको हिदायत ज़रूर देते होंगे। इसलिए सबसे पहले तो बाहर का पैक्ड फूड और जंक फूड खाने से बचें। हर दिन आधे घंटे कम से कम व्यायाम या योग करें। हर रोज सुबह उठकर खाली पेट 2 लहसुन की कलि खाएं। हाई ब्लड प्रेशर के मरीज अगर नंगे पांव हरी घास पर 10-15 मिनट चलें तो उनका बीपी नॉर्मल हो जाता है। इसके अलावा पालक और गाजर का जूस पीने से भी बीपी कंट्रोल में रहता है। मेथीदाना पाउडर सुबह-शाम पानी के साथ लेने पर बीपी कंट्रोल होता है। अनार और टमाटर का जूस पीने से भी बीपी नियंत्रित होता है।

चुकंदर और मूली को छीलकर इसका जूस बनाकर पिएं, इससे भी बीपी कंट्रोल होता है। करेला और सहजन की सब्जी खाएं, इससे हाई बीपी कंट्रोल में रहता है। आंवले के रस में शहद मिलाकर सुबह शाम लें। नींबू पानी, नारियल पानी, सोया, अलसी और काले चने का सेवन करें। सलाद खाने के साथ शामिल करें, हाई बीपी में कॉफी और चाय का सेवन कम से कम करें। स्मोकिंग और शराब भी हाई ब्लड प्रेशर के रोगियों के लिए नुकसानदायक है। इससे जितना हो सके दूर ही रहें। कोशिश करिए की तनाव भरे माहौल से दूर रहें। इसके लिए आप मेडिटेशन और योग का सहारा भी ले सकते हैं।

आखिर में हमारी सलाह है कि आप अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए समय समय पर डॉक्टर्स से चेकअप भी करवाते रहे और योग और मोर्निंग वाक का शेड्यूल भी ज़रूर बनाये।

घोटाले रोकने के लिए उत्तराखंड ने उठया ये बड़ा कदम, जाने क्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । उत्तराखंड में घोटाले को लेकर कई मामले सामने आ चुके हैं। चाहे वह Uksssc परीक्षा घोटाला हो या भवन और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड में साइकिल आवंटन जैसा घोटाला। ऐसे ही घोटाले को रोकने के लिए उत्तराखंड ने एक बड़ा कदम उठाया है। ऐसे घोटाले को रोकने के लिए उत्तराखंड ने ऑनलाइन सिस्टम निकला है। इसमें जहां चार लाख श्रमिकों की सभी योजनाएं ऑनलाइन होंगी तो उन आवेदनों पर कार्रवाई के लिए अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जा रही है। वहीं, बोर्ड के बेहतर कामकाज के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट का भी गठन किया जा रहा है.

साइकिल आवंटन समेत कई घोटालों को लेकर चर्चा में है। बता दे हरक सिंह रावत को हटाने और शमशेर सत्यल के राज्याभिषेक के बाद लगभग दो वर्षों तक त्रिवेंद्र सरकार ने हरक के स्थान पर शमशेर सत्यल को अध्यक्ष बनाया। तब सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सत्यल को हटाकर बोर्ड भंग कर दिया था। इस दौरान एजी का विशेष ऑडिट किया गया। घोटाले की एसआईटी जांच भी कराई गई। विवाद अभी ताजा हैं लेकिन अब बोर्ड को घोटालों से बचाने के लिए एक नया संघर्ष शुरू हो गया है।

परियोजना प्रबंधन इकाईः श्रमिक मंडल में परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) की स्थापना की जा रही है। इसमें श्रम कल्याण के क्षेत्र में काम करने वाले विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो उत्तराखंड में विभिन्न राज्यों की बेहतर योजनाओं को धरातल पर उतारेंगे। इसका प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है।

सभी योजनाएं ऑनलाइनः श्रमिक मंडल की सभी योजनाओं को पूरी तरह से ऑनलाइन किया जा रहा है। आवेदन ऑनलाइन होंगे, जिन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करना होगा। साइकिल आवंटन से सभी योजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन अनिवार्य होगा। फाइलों को ऑनलाइन ग्रीन, येलो, रेड टैग किया जाएगा। हर अधिकारी को रोज सुबह मोबाइल पर एसएमएस के जरिए लंबित फाइलों की जानकारी मिलेगी. यदि श्रमिक पंजीकरण 30 दिनों के लिए निर्धारित है, तो फ़ाइल 20 दिनों के लिए हरी, 20 से 30 दिनों के बीच पीली दिखाई देगी और फिर 30 दिनों के बाद लाल हो जाएगी, जिसकी जानकारी शीर्ष अधिकारियों को भी जाएगी। काम नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

श्रमिक मंडल की मजबूती के लिए इसका नियमित ढांचा जरूरी है। हम इस पर काम कर रहे हैं। बोर्ड की गतिविधियों और अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करने के लिए पीएमयू का प्रस्ताव भेजा गया है। नए बदलाव जल्द ही लागू किए जाएंगे।

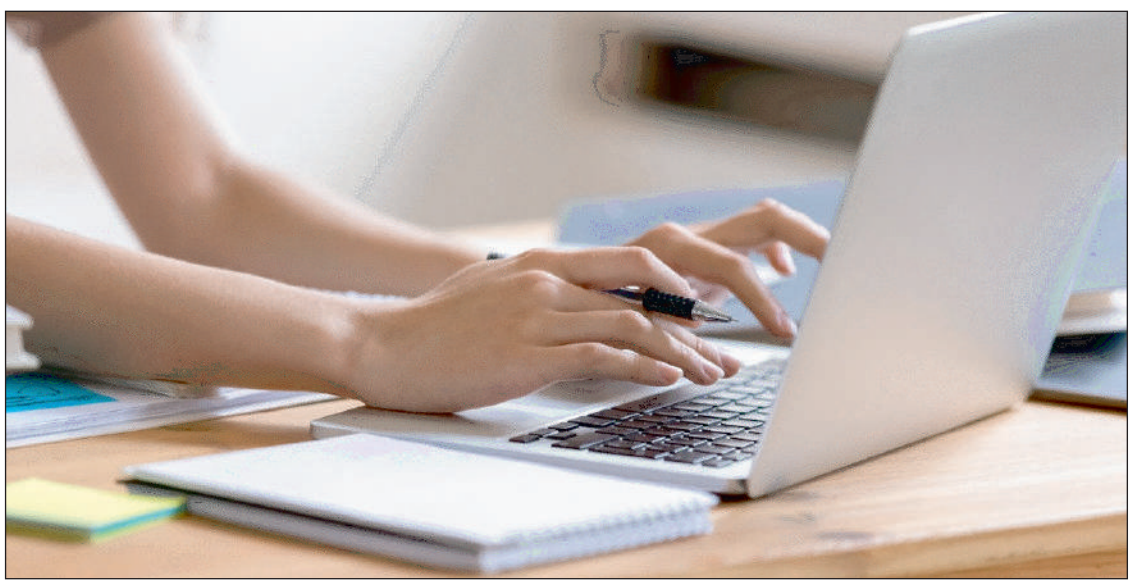

मंत्री गणेश जोशी ने पूर्व सैनिक अर्द्ध सैनिक संगठन के 29वां स्थापना दिवस में वीर नारियों को सम्मानित किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी मंगलवार को देहरादून के जोगीवाला स्थित स्काई गार्डन में उत्तराखंड पूर्व सैनिक अर्द्ध सैनिक संगठन के 29वां स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी का शॉल ओढ़ाकर एवम् स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम से पहले मंत्री जोशी ने ध्वजारोहण किया। सैनिक संगठन की ओर स्थापना दिवस पर वीर नारियों और सेना में वीरता पुरुस्कार से सम्मानित सैनिकों को सम्मानित किया गया। इसका साथ ही मंत्री जोशी ने ₹सैनिक दर्पण₹ पुस्तक का भी विमोचन किया।

इस पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शहीद दीपक नैनवाल के नाम से शहीद द्वार बनाने की घोषणा की। इस अवसर पर मंत्री जोशी ने कहा कि सरकार सैनिकों पूर्व सैनिकों शहीदों के परिवारजनों के सम्मान और समग्र विकास के लिए लगातार प्रयासरत है।

इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष ब्रिगेडियर विनोद पसबोला, कार्यकारी अध्यक्ष कैप्टन दिगंबर बलूनी, डोईवालाविधायक बृज भूषण गैरोला, संदीप गुप्ता, एसएस कोठियाल,सूबेदार मेजर सुरेंद्र नौटियाल, चंद्रमणि बंदूनी, मनमोहन ध्यानी, मोहन डबराल सहित कई लोग उपस्थिति रहे।

बिना डरे आप एक चिट्ठी से भी दर्ज करवा सकते हैं FIR

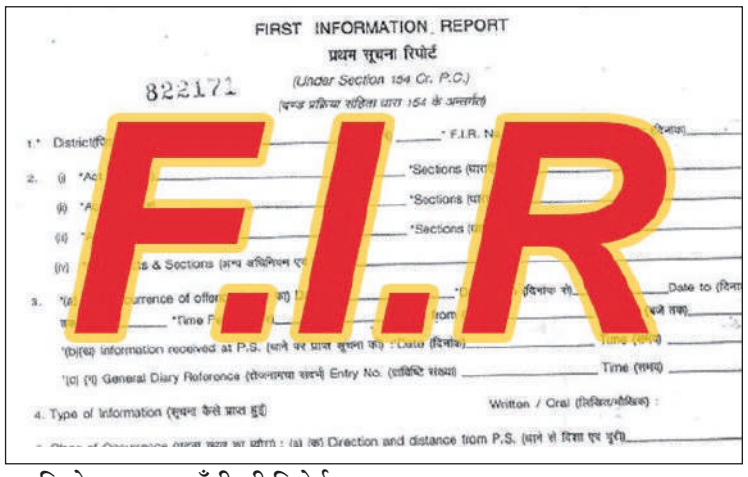

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । भारत कितना भी हाईटेक क्यों न हो जाये युवा साइबर की बारीकियों को लेकर कितने भी जागरूक क्यों न हो जाएं लेकिन जब बात खाकी , पुलिस और थाने की आती है तो पसीने छूट जाते हैं। हम और आप बारीकियों से अनजान नाहक ही परेशां हो जाते हैं। ऐसे में हम आपको काम की बात बता रहे हैं। दरअसल लोगों को पता नहीं होता है कि FIR कैसे लिखवाना है। इसके लिए थाने जाना जरूरी है या ऑनलाइन भी FIR दर्ज कराई जा सकती है। अगर पुलिस FIR दर्ज न करे तो क्या करना चाहिए, पीड़ित के क्या-क्या अधिकार होते हैं...

आज जरूरत की खबर में हमारे कानून के विशेषज्ञ आपको FIR से जुड़े जरूरी सवालों के जवाब दे रहे हैं।

सवाल - FIR क्या होती है?

जवाब- FIR यानी फर्स्ट इंफॉर्मेशन रिपोर्ट। दण्ड प्रक्रिया संहिता यानी CrPC 1973 के सेक्शन 154 में FIR का जिक्र है। क्राइम रिलेटेड घटना के संबंध में पुलिस के पास कार्रवाई के लिए दर्ज की गई पहली सूचना को प्राथमिकी या फर्स्ट इंफॉर्मेशन रिपोर्ट यानी FIR कहा जाता है।

सवाल - FIR के बाद क्या होता है?

जवाब- CrPC की धारा 157(1) के मुताबिक, पुलिस मामला दर्ज कर FIR की रिपोर्ट जिले के या संबंधित मजिस्ट्रेट तक 24 घंटे के अंदर भेज देती है।

सवाल - FIR करना क्यों जरूरी है?

जवाब- देश में हर व्यक्ति को शिकायत के तौर पर FIR दर्ज कराने का अधिकार है। अगर कहीं भी संज्ञेय अपराध यानी Cognizable Offence हो रहा है, तो ऐसे में रिपोर्ट दर्ज करवाने के बाद ही पुलिस छानबीन कर सकती है।

सवाल - संज्ञेय अपराध यानी Cognizable Offence किसे कहते हैं?

जवाब- संज्ञेय अपराध का जिक्र क्रिमिनल प्रोसिजर कोड (CrPC 1973) की धारा 2 (C) और 2 (L) में है। धारा 2 (C) कहती है कि ऐसा अपराध, जिसमें पुलिस किसी व्यक्ति को बिना किसी वारंट के अरेस्ट कर सकती है, वह संज्ञेय अपराध यानी Cognizable Offence है।

सवाल –FIR में क्या-क्या लिखा जाता है?

जवाब- FIR दर्ज करवाते समय ये बातें लिखी जाती हैं-

FIR लिखते या लिखवाते वक्त उसमें बारीक से बारीक डिटेल होनी चाहिए। जैसे- अपराध के वक्त चांदनी रात थी या अंधेरा था। लैंप पोस्ट वहां आसपास था कि नहीं। अगर था तो उसकी रोशनी कितनी दूर तक की थी।

घटना की तारीख, समय, जगह और आरोपी की पहचान (अगर उसे जानते-पहचानते हैं तब) उसमें होना चाहिए।

इसमें घटना के सही तथ्य और घटना में शामिल व्यक्तियों के नाम और डिटेल शामिल होने चाहिए।गवाहों (यदि कोई हो) के नाम भी पुलिस को उनकी जांच में मदद करने के लिए दिए जाने चाहिए।गलत जानकारी न दें, IPC 1860 के सेक्शन 203 के तहत आप पर कार्रवाई हो सकती है।FIR में कोई भी बयान ऐसा न दें, जिसके बारे में आप खुद ही क्लियर नहीं हैं।

सवाल - पुलिस FIR दर्ज न करे तो क्या करें?

जवाब- ऐसे में आप सीधे पुलिस सुपरिटेंडेंट (SP) या इससे ऊपर डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (DIG) और इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (IG) से शिकायत कर सकते हैं।

आप इन अधिकारियों को अपनी शिकायत लिखित रूप में ऑफिस जाकर दें। चाहें तो इसे पोस्ट के जरिए भेज सकते हैं। वे अपने स्तर पर से इस मामले की जांच करेंगे या जांच का ऑर्डर भी देंगे।कई राज्यों में CM helpline नंबर मौजूद है। आप अपने राज्य के CM तक अपनी बात पहुंचाना चाहते हैं, तो CM helpline नंबर पर शिकायत करें।अगर महिला के साथ अपराध हुआ है, तो वो FIR दर्ज न होने पर महिला आयोग को इसकी सूचना दे सकती है।इन सबसे भी अगर कोई असर नहीं हुआ, तो सीधे कोर्ट में 156(3) के तहत शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

सवाल 8- क्या FIR दर्ज करने के लिए हमेशा पुलिस स्टेशन जाना जरूरी है?

जवाब- नहीं, FIR दर्ज करने के लिए हमेशा पुलिस स्टेशन जाना जरूरी नहीं है। इसे आप ऑनलाइन भी दर्ज करा सकते हैं।

एक चिट्ठी लिखकर भी दर्ज करा सकते हैं।मेल और फेसबुक के जरिए भी FIR दर्ज करा सकते हैं।पुलिस ऐप का इस्तेमाल करके भी FIR दर्ज करा सकते हैं।पुलिस खुद की सूचना से FIR दर्ज कर सकती है।कुछ मामलों में पुलिस आपके पास आकर भी रिपोर्ट दर्ज करती है।

कांग्रेस ने 'भारत जोड़ो यात्रा' से फूंका 2024 का बिगुल, उत्तराखंड भी तैयार

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' सात सितंबर से शुरू होने जा रही है। कांग्रेस ने यात्रा के लोगो, टैगलाइन और पैम्फलेट जारी किए हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि हम लोगों ने इसके लिए एक वेबसाइट भी लॉन्च किया है। कांग्रेस 29 अगस्त को महंगाई को लेकर 22 शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। इसके साथ ही 'दिल्ली चलो' का नारा देगी। वहीं 5 सितंबर को 'भारत जोड़ो यात्रा' को लेकर 32 शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी।

राहुल गांधी भी हुए शामिल

बता दें कि इस यात्रा को लेकर सोमवार को बैठक हुई थी, उसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी शामिल हुए थे। यह यात्रा कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक चलेगी, जिसकी शुरुआत कन्याकुमारी से होगी, यह पैदल यात्रा होगी जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा समाज सेवक भी शामिल हो सकते हैं।इस बारे में बात करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 'इसी दिन 80 साल पहले महात्मा गांधी के नेतृत्व और प्रेरणा में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया था, जिसने पांच साल बाद देश को आजादी दिलाई थी।

पांच महीने चलेगी यात्रा

पदयात्रा 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 3500 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और लगभग 150 दिनों में पूरी होगी। यात्रा में राहुल गांधी समेत कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता शामिल होंगे। इधर उत्तराखंड के प्रदेश संगठन ने भी कमर कस ली है । पूर्व सीएम हरीश रावत , नेता विपक्ष यशपाल आर्य , पीसीसी अध्यक्ष करन माहरा सहित सभी बड़े नेता और पदाधिकारियों की रणनीति पर चर्चाएं शुरू हो गयी है।

शादी का ये अनोखा कार्ड जो हो रहा है सोशल मीडिया पर वायरल, आप भी देखें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । अपनी शादी में कुछ ऐसा करना जो यादगार रहे ये हर लोग करना चाहते है। लोग इसमें कामयाब भी हो जाते हे। हाल ही में सोशल मीडिया पर हो रहे वायरल इस शादी के अनोखे कार्ड ने काफी तारीफ बटोरी है। अपनी शादी को यादगार और खास बनाने के लिए एक शख्स ने अपनाया अनोखा तरीका। शादी के कार्ड से उन्होंने कमाल की क्रिएटिविटी की। उनकी शादी का ये अनोखा कार्ड सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है. जिसने भी इस कार्ड को देखा वह दंग रह गया।

बता दें, तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई के एझिलारासन शख्स ने अपनी शादी का कार्ड 'दवा के पत्तों' के रूप में बनवाया है। पहली नजर में सभी को लगता है कि ये शादी का कार्ड नहीं बल्कि दवाई की पट्टी है। लेकिन ध्यान से पढ़ने से पता चलता है कि यह एक शादी का कार्ड है। कार्ड में व्यक्ति ने अपना और अपनी होने वाली पत्नी का नाम, शादी की तारीख, भोजन का समय और साथ ही कई अन्य कार्यक्रमों का उल्लेख किया है।

शख्स ने अपनी शादी के कार्ड को टैबलेट शीट के रूप में बनवाया है. उसके इस अनोखे कार्ड की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. कार्ड में लिखा है- एझिलारासन वेड्स वसंतकुमारी. शादी की तारीख 5 सितंबर लिखी है. साथ ही यह भी लिखा है कि सभी दोस्त और रिश्तेदार शादी में आना ना भूलें. इस अनोखे कार्ड के बारे में एझिलारासन ने कहा- 'मैं अपनी शादी के कार्ड की तुलना जीवन से करना चाहता था, यह दिखाने के लिए कि कैसे यह टैबलेट दर्द या बुखार में किसी की मदद करता है, हमें कई मुद्दों का ध्यान रखना है और सफल होना है।

सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इस अनोखे कार्ड पर तरह-तरह के रिएक्शन दिए हैं। एक यूजर ने लिखा- इसे देखकर कोई भी धोखा खा सकता है. वहीं एक अन्य यूजर ने मजाकिया अंदाज में कहा- मुझे लगा कि मैं शादी के कार्ड में दवा देने आया हूं।

संपादकीय

विकसित भारत के लिए विदेश नीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर भारत को विकसित देश बनाने का आह्वान करते हुए उम्मीद जतायी कि 2047 तक भारत एक विकसित देश बन जायेगा. यह आह्वान महत्वपूर्ण भी है और चुनौतीपूर्ण भी. सबसे अहम सवाल विकास का है. महामारी ने कई देशों की कमर तोड़ दी है. दुनिया के कई देश आर्थिक संकट के दौर में है. आर्थिक विशेषज्ञ भारत की भी चिंता कर रहे थे, लेकिन भारत मजबूती के साथ संकटों से निकलता गया. आर्थिक वृद्धि की गति भी बढ़ रही है. लेकिन मंजिल बहुत दूर है. हम लगभग तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के नजदीक हैं, पर चीन से तुलनात्मक फासला पांच गुना है. महामारी के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प रखा. इसकी आलोचना भी खूब हुई. 'मेक इन इंडिया' पर 'मेड इन चाइना' की धाक थी. राजनीतिक बयान और आर्थिक प्रगति में अंतर है, लेकिन दो वर्षों में यह दिखने लगा कि भारत का आत्मनिर्भर संकल्प मजबूत बनता गया. विश्व राजनीति में हो रहे ध्रुवीकरण भारत के पक्ष में दिखने लगे. एक संकल्प अखंड भारत का भी है. इस सोच में कई पेंच हैं और इससे कई गलतफहमियां भी जुड़ी हुई हैं. अनेक विश्लेषक मानते है कि अखंड भारत की सोच एक आक्रामक चिंतन है, जिसमें पड़ोसी देशों की जमीन हड़पने की बात है, पर ऐसा बिल्कुल भी नहीं है. भारत की पंचशील की बुनियादी विदेश नीति में कोई बदलाव नहीं आया है. बात केवल भारत के अंदरूनी क्षेत्रों को एकबद्ध करने की है, जिसमें पाक अधिकृत कश्मीर भी आता है. एकता में अनेकता को समझते हुए केवल विविधता की विवेचना भर नहीं, बल्कि एकरूपता की पहचान को भी स्थापित करने की जरूरत है. भारत को विकसित बनाने के लिए विदेश नीति कैसी होगी, क्या अखंड भारत और विकसित भारत की योजना सफल हो पायेगी, क्या चीन और पाकिस्तान के बीच सेतु टूट पायेगा, क्या चीन भारत को सहज और स्वाभाविक रूप से रूपांतरित होने देगा- ये सारे प्रश्न अहम हैं. बीते आठ वर्षों में बिग डाटा के साथ भारत की तस्वीर बदलने लगी है. विभिन्न सरकारी योजनाओं के साथ आधार के पंजीकरण ने न केवल नियमितता को बहाल किया, बल्कि भ्रष्टाचार को भी समेटने का सफल प्रयास किया. भारत का आर्थिक प्रयास 2014 से पहले मैक्रो आर्थिक इकाई पर होता था, यानी विकेंद्रीकरण की बात केवल किताबों तक रह जाती थी. वह तरीका बदल गया. माइक्रो सोच सरकार की मुख्य धारा बन गयी. जगह और समूह को केंद्र में रखकर योजनाएं बनने लगीं और उनका अनुपालन होने लगा. आर्थिक योजनाओं की मलाई अक्सर इलीट वर्ग समेट लेता था. इस वर्ग का निर्माण भी बहुत हद तक भाषा के तर्ज पर होता था. अंग्रेजी पढ़ने-लिखने वाले फायदे में रहते थे. लेकिन पिछले आठ साल में यह पद्धति बदल गयी. हाशिये के लोग आगे आने लगे और मध्य वर्ग का विस्तार हुआ. महिला, अनुसूचित जाति और भूमिहीन किसान जैसे वंचित तबके बुनियादी आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन से मजबूत हुए हैं. आज दुनिया भारत को एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में देखने लगी है. चीन की विस्तारवादी नीति दुनिया के सामने है. श्रीलंका, पाकिस्तान, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीकी देश चीन का दंश को झेल रहे है. भारत और चीन के बीच संघर्ष की स्थिति बनी हुई है. चीन ने कुछ वर्षों से वैश्विक व्यवस्था को अपने तरीके से संचालित करने की साजिश रची है, उससे दुनिया सहमी हुई है. रूस-यूक्रेन जंग के बीच भारत महाशक्तियों के केंद्र में है. भारतीय कूटनीति के लिए यह अग्निपरीक्षा का समय है.

अतिक्रमण के प्रति सख्त नगर निगम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । नगर निगम देहरादून द्वारा मार्गों से अतिक्रमण हटाए जाने कि कार्यवाही के क्रम में पंडितवाड़ी से बिंदाल पुल तक नगर निगम द्वारा मार्गों किया गया मुक्त तथा की गई दण्डात्मक कार्यवाही नगर निगम, देहरादून द्वारा देहरादून के मार्गों को स्वच्छन्द चलने योग्य बनाने हेतु अतिक्रमण हटाओ अभियान ज़ोर शोर से चलाया जा रहा है। तथा साथ ही सख्त दण्डात्मक कार्यवाही भी कि जा रही है यह कार्य नगर निगम द्वारा यातायात पुलिस के सहयोग से शहर के मुख्य मार्गो अस्थायी अतिक्रमण हटाये हेतु संयुक्त रूप से अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत सभी मुख्य मार्गों एवं फुटपाथ पर रखे सामान को जब्त करते हुए उनपर अर्थदण्ड लगाने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में पंडितवाड़ी से बिंदाल पुल तक अस्थाई अतिक्रमण हटाए जाने की कार्यवाही कि गई और लगभग 7550 का चालान भी किया गया।

अर्थदण्ड की कार्यवाही में सम्बन्धित व्यवसायियों से माह अगस्त में अभी तक लगभग 57550 रुपये का जुर्माना वसूला गया है तथा सम्बन्धित को पुनः अतिक्रमण न करने हेतु हिदायत दी गयी है। नगर निगम द्वारा द्वारा जिन मुख्य मार्गो से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गयी है उनका समय समय पर पर्यवेक्षण किया जा रहा है तथा जिन व्यवसायियों द्वारा पुनः अतिक्रमण किया गया है उनके विरूद्ध विधिक कार्यवाही करने हेतु सम्बन्धित पुलिस स्टेशन को सूचित किया जा रहा है।इसके अतिरिक्त नगर निगम, देहरादून शहर की सड़कों को निराश्रित पशुओं से मुक्त रखने हेतु 20.08.2022 से अभियान प्रारम्भ किया गया था। नगर आयुक्त देहरादून महोदय द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में निगम के वरिष्ठ पशुचिकित्सा अधिकारी द्वारा दो टीमें बनायी गयी थी। इसी क्रम में.....

नगर निगम टीम ने दिनांक 22.08.2022 को वार्ड 66 रायपुर में निराश्रित घूम रहे पशुओ (4 भैंस वंशीय 3 गौ वंशीय सांडो) को पकड़ा तथा कांजी हाउस ले गए जिसमें से 4 महिषवंशीय पशुओं को छुड़ाने के लिए पशुपालक कांजी हाउस आ गए। पशुपालकों को कठोर चेतावनी दी गई तथा उनसे लिखित शपथ पत्र लेकर नियमानुसार आर्थिक दंड कुल रुपए 8000 वसूल कर छोड़ा गया। अभियान आगे भी जारी रहेगा।

166 नए संक्रमित मिले, 180 मरीज स्वस्थ 886 पहुंची सक्रिय मरीजों की संख्या

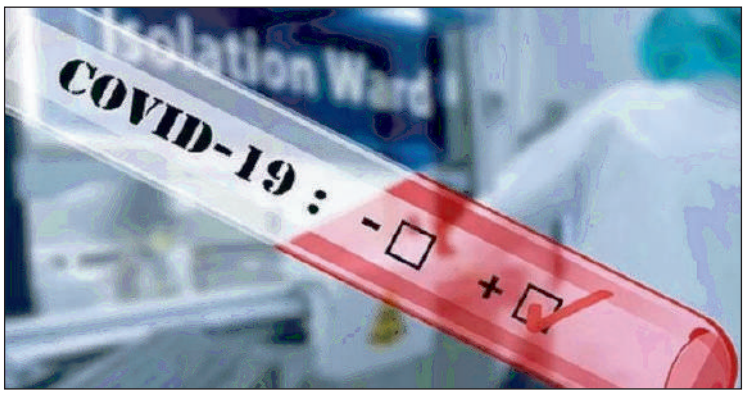

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 166 नए मामले सामने आए हैं, जबकि 180 मरीज स्वस्थ हुए। इस तरह प्रदेश में 886 एक्टिव केस हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को सामने आए नए मामलों में सर्वाधिक 60 संक्रमित देहरादून के और 48 नैनीताल के हैं।

इसके अलावा रुद्रप्रयाग के 19, ऊधमसिंह नगर के 13, अल्मोड़ा के चार, चंपावत का एक, हरिद्वार के 11, पौड़ी के दो, पिथौरागढ़ के छह, टिहरी के दो मामले शामिल हैं। बागेश्वर, चमोली और उत्तरकाशी में पिछले 24 घंटे में कोरोना का कोई नया मामला सामने नहीं आया है।

प्रदेश के आंकड़ों में सर्वाधिक 384 केस देहरादून के हैं, जबकि 274 केस नैनीताल के हैं। राहत की बात यह है कि कोरोना पॉजिटीविटी रेट नौ प्रतिशत से घटकर 5.76 प्रतिशत पर आ गई है। वहीं, मंगलवार को प्रदेश में 27580 को कोरोना वैक्सीन दी गई।

उत्तराखंड आपदा : टिहरी और श्रीनगर में मलबे में दबे मिले दो महिलाओं के शव, एक मानव अंग भी बरामद

नई टिहरी, 23 अगस्त । उत्तराखंड में अतिवृष्टि से आपदा के बाद तीन दिन बाद अब भी कई लोग मलबे में दबे हैं। मंगलवार को टिहरी और श्रीनगर से दो महिलाओं के शव एसडीआरएफ की टीम ने बरामद किए। वहीं, एक मानव अंग भी बरामद किया गया है।

एसडीआरएफ कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने बताया कि टिहरी के ग्वाड़ गांव में मलबे में दबे एक ही परिवार के पांच लोगों में से एक महिला का शव मिला है। महिला की पहचान 60 वर्षीय मगनी देवी के रूप में हुई है। वहीं, लापता चार लोगों की भी जारी है। साथ ही कीर्तिनगर तहसील के गोदी कोठार में मलबे में दबी बुजुर्ग महिला बचनी देवी का शव भी एसडीआरएफ ने बरामद किया है। महिला 20 अगस्त को भारी बारिश से हुए भूस्खलन के दौरान घर के अंदर जिंदा दफन हो गई थी। उधर, सोडा सरोली पुल के नीचे से शव का एक हाथ भी एसडीआरएफ ने बरामद किया है। इस पुल के नीचे से बह रही नदी सरखेत और ग्वाड़ से होते हुए आती है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि यह अंग भी दबे हुए लोगों में से किसी एक का हो सकता है।

गवर्नर के दौरे में सैन्य धाम के लिए दिखा मंत्री गणेश जोशी का जुनून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने गुनियालगांव में निर्माणाधीन सैन्यधाम पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों से जानकारी ली। सैन्यधाम पहुँचने पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने पुष्पगुच्छ देकर राज्यपाल का स्वागत किया।

देहरादून के गुनियालगांव में सैन्यधाम का निर्माण हो रहा है जिसे उत्तराखण्ड के पांचवें धाम के नाम से भी जाना जायेगा। सैन्यधाम के लिए प्रदेश के 1734 शहीद सैनिकों के आंगन से कलश में मिट्टी लायी गयी है जिसे यहां बनने वाली अमर जवान ज्योति की नींव में रखा गया है। सैन्य धाम के प्रवेश द्वार का नाम पूर्व सीडीएस जनरल विपिन रावत के नाम से रखा जायेगा। वहीं प्रांगण में बाबा जसवंत सिंह और हरभजन सिंह का मंदिर भी बनाया जायेगा। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि सैन्यधाम शहीदों के प्रति सम्मान का एक उत्कृष्ट उदाहरण होगा। उन्होंने कहा कि सैन् धाम को पांचवे धाम के नाम से जाना जाएगा और इसका निर्माण भव्य एवं दिव्य रूप में हो, इसके लिए चारों धामों से पवित्र मिट्टी भी लाई जाए। उन्होंने कहा कि जिन सैनिकों ने देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है उन्हें सर्वोच्च सम्मान मिले। राज्यपाल ने कहा कि देश के अन्य वॉर मैमोरियल की केस स्टडी कर सैन्यधाम का निर्माण किया जा रहा है जो अपने-आप में अलग रूप में बनेगा।

उन्होंने कहा कि यह देश की सेना के शौर्य और गौरवशाली इतिहास को संजोने वाला स्थान होगा। सैन्य धाम में शहीद सैनिकों को सर्वोच्च सम्मान देने के लिए उनके आंगन से मिट्टी, शहीदों के नाम, लाईट एण्ड साउण्ड शो, म्यूजियम व ऑडिटोरियम बनाये जायेंगे जिससे हमारे युवा आने वाले युगों-युगों तक इन शहीदों को याद कर प्रेरणा ले सकेंगे। राज्यपाल ने कहा कि 2023 में पूर्ण होने वाला यह सैन्यधाम पूरे राष्ट्र में एक अलग मिसाल बनेगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को इसके निर्माण में पूरी निष्ठा और लगन से कार्य करने को कहा। सचिव सैनिक कल्याण श्री दीपेन्द्र कुमार चौधरी ने सैन्य धाम निर्माण की विस्तृत जानकारी दी। मंत्री जोशी ने कहा कि यह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना है उन्होंने सैन्य धाम बनाने की घोषणा की थी उन्होंने कहा था कि उत्तराखंड में बद्री केदार गंगोत्री यमुनोत्री यहां पर है यह वीरों की भूमि है देश की सेना का 17.5 की पूर्ति उत्तराखंड जैसा छोटा राज्य करता है यहां पर सैन्य धाम बनना चाहिए। मैं पूरी शिद्दत से तन मन धन के साथ इस काम में लगा हुआ हूं। आज राज्यपाल ने यहां आकर मुझे शाबाशी दी है उनका भी मैं आभार व्यक्त करता हूं। क्यूंकि वह एक सीनियर जनरल रहे हैं।कई गैलेंट्री अवार्ड उन्हें मिले है। तो मैने उनका मार्गदर्शन यहां पर लेना चाहा।और जो प्लानिंग हमने की है प्लानिंग को देखकर वे बहुत खुश हुए हैं । क्योंकि जो हम सैन्य धाम का मुख्य द्वार बना रहे हैं शहीद सीडीएस जनरल बिपिन रावत के नाम से बना रहे है। भारत की सेना में दो सैनिकों की पूजा होती है बाबा हरभजन सिंह बाबा जसवंत सिंह का प्रांगण में मंदिर बनाया जायेगा। मंत्री जोशी ने कहा कि किसी भी हालत में चाहे मुझे यहां सितंबर के बाद अपना ऑफिस खोलना पड़े मैं किसी भी हालत में मैं दिन रात यहां रहूंगा और इसको पूरा करना मेरा संकल्प है।

मुख्यमंत्री धामी का पूरा सहयोग इसमें मिल रहा है बजट की प्रयाप्त व्यवस्था है और उन्होंने मुझसे कहा है कि और भी अगर बजट की आवश्यकता होगी तो हम करेंगे लेकिन इस काम को पूरा करेंगे। इस अवसर पर जिला अधिकारी देहरादून सोनिका, अपर सचिव एचएस धर्मसगतू, निदेशक कर्नल बीएस रावत, कर्नल एमएस जोधा, मुख्य अभियंता सीएस रजवार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

देहरादून पुलिस की तेज़ी से खुला स्पा में फ़र्ज़ी दरोगा का कारनामा

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 23 अगस्त । देहरादून पुलिस की तेज़ी ने एकबार फिर सफलता हासिल करते हुए फ़र्ज़ी पुलिसवाले का खेल बेनकाब किया है। शहर में फर्जी पुलिसवाला बनकर स्पा सेंटर में अवैध वसूली करने वाला आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया है. आरोपी को बसंत विहार पुलिस ने 24 घंटे के भीतर श्यामपुर से दबोचा है. आरोपी ने स्पा सेंटर में महिला से बदसलूकी की थी. जिसके बाद वो फरार हो गया था. फिलहाल, पुलिस आरोपी की आपराधिक इतिहास खंगाल रही है....

न्यू पटेल नगर विशाल मेगा मार्ट निवासी एक महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी. जिसमें महिला ने बताया कि 20 अगस्त को हरीश नाम का एक व्यक्ति पुलिसवाला बनकर जीएमएस रोड पर स्थित उनके स्पा सेंटर ब्लू स्टार आया था. जहां उसने स्पा सेंटर में काम करने वाले लड़कियों और लड़कों के साथ गाली-गलौज की थी.इतना ही नहीं आरोपी ने सभी लोगों को धमकाया भी. जिसके बाद आरोपी ने पीड़िता को जबरदस्ती अपनी स्कूटी में बैठाया. पीड़िता को आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ छेड़खानी भी की. साथ ही उसके पास से 8500 रुपए छीनकर भी ले गया. वहीं, पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया

बसंत विहार थाना प्रभारी होशियार सिंह ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया गया. गठित टीम ने स्पा सेंटर और मुख्य सड़क पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले. सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर एक आरोपी की तस्वीर सामने आई. इस तस्वीर के आधार पर पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की. पूछताछ के दौरान आरोपी का नाम हरीश गिरि होने का पता चला.वहीं, पुलिस को पता चला कि आरोपी हरीश श्यामपुर के ठाकुरपुर में प्रॉविजन स्टोर वाली गली में किराए के मकान पर रहता है. जिसके बाद पुलिस ने मकान पर दबिश दी और आरोपी को धर दबोचा जिसे पुलिस ने न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है. साथ ही आरोपी के आपराधिक इतिहास के संबंध में जिले के अन्य थानों से जानकारी भी जुटाई जा रही है.

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा